









21044



₹ 15.00

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

**ISBN** 978-93-5007-353-7 (वर्षा-सैट)
978-93-5007-362-9



पठनम् एव अवगमनम्

# मधुराणि गुलगुलानि



***प्रथम संस्कृत संस्करण :*** अगस्त 2015 श्रावण 1937

***पुनर्मुद्रण :*** जून 2019 ज्येष्ठ 1941; जुलाई 2020 श्रावण 1942; जून 2021 ज्येष्ठ 1943



**PD 3.5T RPS**

**पुस्तकमाला निर्माण समिति**

कंचन सेठी, कृष्ण कुमार, ज्योति सेठी, टुलटुल विश्वास, मुकेश मालवीय, राधिका मेनन, शालिनी शर्मा, (स्वर्गीय) लता पाण्डे, स्वाति वर्मा, सारिका वशिष्ठ, सीमा कुमारी, सोनिका कौशिक, सुशील शुक्ल

**सदस्य-समन्वयक** – लतिका गुप्ता

**संपादक ( संस्कृत )** – कृष्णचन्द्र त्रिपाठी

**संस्कृत अनुवाद** – रणजित बेहेरा, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

**चित्रांकन, सज्जा तथा आवरण**– निधि वाधवा

**संस्कृत समीक्षा समिति**

यज्ञ दत्त शर्मा, सेवानिवृत *प्रोफ़ेसर संस्कृत*, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; कृष्ण चन्द्र त्रिपाठी, *प्रोफ़ेसर संस्कृत*, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली; राजेश्वर प्रसाद मिश्र, *प्रोफ़ेसर संस्कृत*, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा; भागीरथी नन्द, *एसोसिएट प्रोफ़ेसर*, साहित्य विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराय, नई दिल्ली; पतञ्जलि कुमार भाटिया, *अध्यक्ष*, संस्कृत विभाग, पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; सूर्य नारायण नन्द, *अतिथि अध्यापक*, सेंट स्टीफेन्स कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; हरेकृष्ण अगस्ति, *असिस्टैंट प्रोफ़ेसर*, व्याकरण विभाग, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र; सुगन्ध पाण्डेय, *टी.जी.टी. संस्कृत*, केन्द्रीय विद्यालय, काशीपुर, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड; निर्मल मिश्र, *टी.जी.टी. संस्कृत*, केन्द्रीय विद्यालय, नरेला, दिल्ली; डॉ. जतीन्द्र मोहन मिश्र, *सह आचार्य*, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

**आभार ज्ञापन**

प्रो. बी.के.त्रिपाठी, *निदेशक*, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली; कृष्ण कुमार, *पूर्व-निदेशक*, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली; वसुधा कामथ, *पूर्व-संयुक्त-निदेशक*, केन्द्रीय शैक्षिक प्रोद्योगिकी संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली; उमा शंकर शर्मा ऋषि, *पूर्व विभागाध्यक्ष*, संस्कृत विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना, बिहार; के. के. वशिष्ठ, *पूर्व-विभागाध्यक्ष*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा ??

**ISBN** 978-93-5007-353-7 (वर्षा-सैट)
978-93-5007-362-9

वर्षा-क्रमिक-पुस्तकमाला प्राथमिककक्षायाः बालानां कृते वर्तते। अस्याः अभिप्रायः – 'बोधनेन सह' स्वयंपठनस्य अवसरपरिकल्पनं वर्तते। अस्याः पुस्तकमालायाः कथाः चतुर्षु स्तरेषु पञ्चसु कथावस्तुषु च विभक्ताः सन्ति। 'वर्षा' बालानाम् सानन्दं पठने स्थायिपाठकत्वेन निर्माणे च सहायिका भविष्यति। बालेभ्यः दैनन्दिन्यः लघुलघुघटनाः कथा इव रुचिकराः प्रतीयन्ते। अतः वर्षा-मालिकायाः सर्वाः कथाः दैनिकजीवनस्य अनुभवान् आधृत्य वर्तन्ते। लघुबालानां पठनाय प्रचुरमात्रायां पुस्तकानि उपलब्धानि स्युरिति अस्याः पुस्तकमालायाः अपरमुद्देश्यं वर्तते।

वर्षा-पुस्तकमाला बालानां पठन-शिक्षणे, स्थायिपाठकनिर्माणे, सूचनासंग्रहणे पाठ्यचर्यायाः प्रत्येकं क्षेत्रे च सहायिका भविष्यति। शिक्षकाः वर्षा-मालिकां कक्षायाम् तथा स्थापयेयुः येन बालाः सुखेन पुस्तकानि ग्रहीतुं शक्नुयुः।



**एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय**

- एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 **फोन** : 011-26562708
- 108, 100 फीट रोड, हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे, बनाशंकरी III स्टेज, बंगलूरु 560 085 **फोन** : 080-26725740
- नवजीवन ट्रस्ट भवन, डाकघर नवजीवन, अहमदाबाद 380 014 **फोन** : 079-27541446
- सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस, निकट: धनकल बस स्टॉप पनिहटी, कोलकाता 700 114 **फोन** : 033-25530454
- सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स, मालीगाँव, गुवाहाटी 781 021 **फोन** : 0361-2674869

***प्रकाशन सहयोग***

| | | | |
|---|---|---|---|
| अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग | : *अनूप कुमार राजपूत* | मुख्य उत्पादन अधिकारी | : *अरुण चितकारा* |
| मुख्य संपादक | : *श्वेता उप्पल* | मुख्य व्यापार प्रबंधक | : *विपिन दिवान* |

# मधुराणि गुलगुलानि



माता



मदनः



जमालः





एकस्मिन् दिवसे जमालस्य माता गोधूम-चूर्णं मर्दयति स्म।



जमालः निकटे उपविष्टः आसीत्।





प्रतिवेशी मदनः मातरं किमपि प्रष्टुम् आगतः।



माता मदनं बोधयितुम् आरभत।



जमालः गोधूम-चूर्णं मर्दयितुम् आरभत।



तस्य हस्तयोः गोधूम-पिष्टं संश्लिष्टम्।





जमालः गोधूम-पिष्टे जलम् अमेलयत्।



तस्य हस्तयोः गोधूम-पिष्टम् अधिकं संश्लिष्टम्।



जमालः गोधूम-पिष्टे पुनः जलम् अमेलयत्।



गोधूम-पिष्टं तरलं जातम्।



एतत् दृष्ट्वा माता क्रुद्धा जाता।



सा अचिन्तयत् यत् - तरलेन पिष्टेन किं करवाणि?






माता गोधूम-पिष्टे शतपुष्पां गुडं च मेलितवती।



तया प्रभूतानि गुलगुलानि निर्मितानि।





जमालः मदनः च बहूनि गुलगुलानि अखादताम्।

# जमाल-मदनयोः अपराः कथाः



















